5184 रक्षपालजि

वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रति० परीक्षा-2024

इस प्रश्न पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए। / **Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.**

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : **24**
No. of Pages in Booklet : **24**
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : **150**
No. of Questions in Booklet : **150**
Paper Code : **66**

TSS-24

Paper-II

प्रश्न पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode
6632265

SUBJECT : Sanskrit

समय : **02:30 घण्टे+10 मिनट अतिरिक्त***
Time : **02:30 Hours+10 Minutes Extra***

अधिकतम अंक : **300**
Maximum Marks: **300**

प्रश्न पुस्तिका के पेपर की सील / पॉलिथिन बैग को खोलने पर प्रश्न पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :–
- प्रश्न पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है / मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के **5** मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper the candidate should ensure that:-
- Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.
- All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above, are available and no page is missing/misprinted.

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after **five** minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।**
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिये। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. **OMR** उत्तर–पत्रक इस प्रश्न पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर–पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल प्वॉइंट पेन** से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. **ओ.एम.आर. उत्तर–पत्रक में करेक्शन पेन / व्हाईटनर / सफेदा का उपयोग निषिद्ध है।**
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1 / 3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
8. **प्रत्येक प्रश्न के पांच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर–पत्रक पर नीले बॉल प्वॉइंट पेन से गहरा करना है।**
9. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो उत्तर–पत्रक में पांचवे (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पांच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1 / 3 भाग काटा जायेगा।**
10.* **प्रश्न पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. आंसर शीट जांच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।**
11. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पांच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।**
12. **मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रॉनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है, तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।**

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए और **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों–प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. All questions carry equal marks.
3. Only one answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **BLUE BALL POINT PEN** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in OMR Answer Sheet. Candidate will himself/herself be responsible for filling wrong Roll Number.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the OMR Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question, then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10.* **After solving the question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
12. **Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.**

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022, other laws applicable and Commission's Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर–पत्रक में दो प्रतियां हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर–पत्रक की दोनों प्रतियां वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर–पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाईन से मोड़कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, **जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर–पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।**

1. एतेषु शुद्धं वाक्यमस्ति –

(1) मायावि मित्रं त्यजेत्।

(2) मायावीं मित्रं ज्यजेत्।

(3) मायाविं मित्रं त्यजेत्।

(4) मायाविनं मित्रं त्यज्येत्।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. कृद्योगे अनभिहिते कर्तरि कर्मणि च विभक्तिर्भवति –

(1) तृतीया

(2) षष्ठी

(3) पञ्चमी

(4) चतुर्थी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. "हरये रोचते भक्तिः" इत्यस्मिन् वाक्ये कस्मिन् अर्थे सम्प्रदान संज्ञा?

(1) प्रीयमाणे

(2) ज्ञीप्स्यमाने

(3) रोचमाने

(4) सेवमाने

(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. 'तूष्णीम्' इत्यव्ययस्यार्थः वर्तते –

(1) भिन्नम्

(2) अल्पः

(3) मौनम्

(4) चिरम्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. "हलि सर्वेषाम्" इत्यनेन सूत्रेण विहितस्य यलोपस्योदाहरणं नास्ति –

(1) भो देवाः

(2) अघो याहि

(3) देवा इच्छन्ति

(4) भगो नमस्ते

(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. अत्र "घ" संज्ञकौ भवतः –

(1) तरप्तमपौ

(2) क्तक्तवतू

(3) शतृशानचौ

(4) क्त्वाल्यपौ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. सुमेलितं विकल्पं चिनुत –

(क)	इन्द्राणी	(i)	ङीप्
(ख)	त्रिलोकी	(ii)	टाप्
(ग)	वत्सा	(iii)	ति
(घ)	युवतिः	(iv)	ङीष्

(1) क–(iv), ख–(i), ग–(ii), घ–(iii)

(2) क–(iii), ख–(ii), ग–(i), घ–(iv)

(3) क–(i), ख–(iii), ग–(iv), घ–(ii)

(4) क–(ii), ख–(iv), ग–(iii), घ–(i)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. अशुद्ध विकल्पं चिनुत –

(1) गम् धातोर्लिटि प्रथमपुरुषैकवचने – जगाम

(2) गम् धातोर्विधिलिङ्लकारे प्रथमपुरुषैकवचने – गच्छेत्

(3) दृश् धातोर्लिटि मध्यमपुरुषैकवचने – द्रक्ष्यथ

(4) पा धातोर्लङि प्रथमपुरुषबहुवचने – अपिबन्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. 'गार्ग्यस्य युवापत्यम् गार्ग्यायणः' अत्र प्रत्ययः वर्तते –

(1) फक्
(2) आयन्
(3) घः
(4) ष्फः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. "देव स्नानकर, पाठ पढ़कर, लेख लिखकर, भोजन कर प्रतिदिन विद्यालय जाता है।" इत्यस्य संस्कृतेऽनुवादः वर्तते –

(1) देवः स्नात्वा, पठित्वा लिखित्वा भुक्त्वा च प्रतिदिनं विद्यालयं गच्छति।

(2) देवः स्नात्वा, पाठं पठित्वा लेखं भुक्त्वा प्रतिदिनं विद्यालयं गच्छति।

(3) देवः स्नाक्त्वा, पाठं पठित्वा, लिखित्वा, भोजनं प्रतिदिनं विद्यालयं गच्छति।

(4) देवः स्नात्वा, पाठं पठित्वा, लेखं लिखित्वा, भोजनं च भुक्त्वा प्रतिदिनं विद्यालयं गच्छति।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. 'पत्रदूतम्' इति खण्डकाव्यस्य रचनामकरोत् –

(1) पं. हरिशास्त्री दाधीचः
(2) पं. मोहनलालपाण्डेयः
(3) प्रो. हरिराम आचार्यः
(4) पं. श्रीराम दवे
(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. प्रसह्य सिंहः किल तां चकर्ष। इत्यत्र "किल" इत्यव्ययं कस्मिन्नर्थे प्रयुक्तम्?

(1) सम्मोहनार्थे
(2) निषेधार्थे
(3) वार्तार्थे
(4) छद्मकार्यार्थे
(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. शुद्धम् उत्तरं चिनुत –

(1) गोत्रेण गार्ग्यः।
(2) प्रासादेन पतति।
(3) रामस्य विना।
(4) विप्रं गां ददाति।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. 'गां दोग्धि पयः' इत्यस्मिन् 'गाम्' इति पदस्य कर्मसंज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति –

(1) कर्तुरीप्सिततमं कर्म
(2) उपान्वध्याङ्वसः
(3) अधिशीङ्स्थासां कर्म
(4) अकथितं च
(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. "ज्ञः" इत्यत्र प्रकृतिप्रत्ययौ भवतः –

(1) ज्ञा + ट

(2) ज्ञा + अण्

(3) ज्ञा + क

(4) ज्ञा + ड

(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. समासविग्रहस्य समस्तपदेन सार्धं यदसुमेलितं तद्विकल्पं चिनुत –

(1) पञ्च गावो धनं यस्य सः – पञ्चगोधनः

(2) घन इव श्यामः – घनश्यामः

(3) नीलञ्च तद् उत्पलम् – नीलोत्पलम्

(4) पञ्चानां गवां समाहारः – पञ्चगवम्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. सूत्राणां सन्धियुक्तपदैः सह कतमो विकल्पः सुमेलितो वर्तते?

(क)	वृद्धिरेचि	(i)	हरये
(ख)	एङः पदान्तादति	(ii)	विष्णोऽव
(ग)	अवङ् स्फोटायनस्य	(iii)	गङ्गौघः
(घ)	एचोऽयवायावः	(iv)	गवाँऽग्रम्

समुचितं विकल्पं चिनुत –

(1) क–(iii), ख–(iv), ग–(i), घ–(ii)

(2) क–(iii), ख–(ii), ग–(iv), घ–(i)

(3) क–(i), ख–(ii), ग–(iii), घ–(iv)

(4) क–(ii), ख–(i), ग–(iii), घ–(iv)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. 'कुतस्त्वा कश्मलमिदं विषमे समुपस्थितम्' अत्र अव्ययपदं वर्तते –

(1) विषमे

(2) कश्मल

(3) कुतः

(4) त्वा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. निम्नलिखितेष्वसमीचीनो विकल्पो वर्तते –

(1) सखि शब्दस्य पञ्चम्येकवचने – सख्युः

(2) पथिन् शब्दस्य सप्तम्येकवचने – पथिनि

(3) मघवत् शब्दस्य सप्तमीबहुवचने – मघवत्सु

(4) पितृ – शब्दस्य तृतीयाबहुवचने – पितृभिः

(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. छन्दसां वर्णसंख्यानुसारं सुमेलितं विकल्पं चिनुत –

(क)	वसन्ततिलका	–	(i)	पञ्चदश
(ख)	मालिनी	–	(ii)	चतुर्दश
(ग)	शिखरिणी	–	(iii)	एकोनविंशतिः
(घ)	शार्दूलविक्रीडितम्	–	(iv)	सप्तदश

(1) क–(ii), ख–(iii), ग–(iv); घ–(i)

(2) क–(ii), ख–(i), ग–(iv), घ–(iii),

(3) क–(ii), ख–(i), ग–(iii), घ–(iv)

(4) क–(i), ख–(ii), ग–(iii), घ–(iv)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. श्रीमद्भगवद्गीतोक्तदिशा शान्तिं नाप्नोति –

(1) निर्ममः
(2) निस्पृहः
(3) निरहंकारः
(4) कामकामी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. संहिता संज्ञा – विधायकं सूत्रमस्ति –

(1) अनचि च
(2) आदिरन्त्येन सहेता
(3) हलोऽनन्तराः संयोगः
(4) परः सन्निकर्षः संहिता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. 'कर्तुरीप्सिततमं कर्म' इति सूत्रे कर्मपदस्य पूर्वतः अनुवृत्तौ अपि पुनः कर्मग्रहणं किमर्थम्?

(1) आधारनिवृत्त्यर्थम्
(2) अपादाननिवृत्त्यर्थम्
(3) करणनिवृत्त्यर्थम्
(4) सम्प्रदाननिवृत्त्यर्थम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. 'न मे स्वदतेऽपूपः' इत्यत्र 'मे' इति पदस्य संप्रदानसंज्ञाविधायकं सूत्रमस्ति –

(1) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः
(2) स्पृहेरीप्सितः
(3) क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः
(4) कर्मणा यमभि प्रैति स सम्प्रदानम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. 'सङ्गच्छध्वं सं वदध्वं सं वो मनांसि जानताम्' अयं मन्त्रांशः कस्य सूक्तस्यास्ति?

(1) इन्द्रसूक्तस्य
(2) हिरण्यगर्भस्य
(3) संज्ञानसूक्तस्य
(4) अग्निसूक्तस्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. मेघदूतानुसारं चेतनाचेतनेषु प्रकृतिकृपणाः के भवन्ति?

(1) दुःखार्ताः
(2) रोगार्ताः
(3) कामार्ताः
(4) भयार्ताः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. "अतो रोरप्लुतादप्लुते" इत्यस्य सूत्रस्योदाहरणं नास्ति –

(1) बालोऽत्र
(2) शुद्धोऽयम्
(3) शिवो वन्द्यः
(4) सोऽपवादः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. सखि शब्दस्य पुंल्लिङ्गे तृतीयाविभक्तौ रूपाणि सन्ति –

(1) सख्या – सखिभ्याम् – सखिभिः
(2) सख्या – सख्याभ्याम् – सख्याभिः
(3) सख्या – सखीभ्याम् – सखीभिः
(4) सख्या – सखाभ्याम् – सखाभिः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. ईश्वरविलास–महाकाव्यस्य का टीका भट्टमथुरानाथशस्त्रिणा लिखिता?

(1) सरला
(2) ईश्वरी
(3) विलासिनी
(4) दीपिका
(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. इदं किलाव्याजमनोहरं वपुः, तपः क्षमं साधयितुं य इच्छति। इत्यत्र छन्दसः किन्नाम?

(1) वसन्ततिलका
(2) उपजाति
(3) भुजंगप्रयातम्
(4) वंशस्थम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. संन्यासाश्रमे कस्य कर्मणः परित्यागः आवश्यकः?

(1) नित्यकर्मणः
(2) प्रायश्चित्तकर्मणः
(3) काम्यकर्मणः
(4) नैमित्तिककर्मणः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. सन्धिसूत्राणां सन्धियुक्तपदैः सह सुमेलितं विकल्पं चिनुत –

(क)	झलां जशोऽन्ते	(i)	एतन्मुरारिः
(ख)	खरि च	(ii)	वागीशः
(ग)	मोऽनुस्वारः	(iii)	उत्थानम्
(घ)	यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा	(iv)	हरिं वन्दे

(1) क–(ii), ख–(iii), ग–(iv), घ–(i)
(2) क–(iv), ख–(iii), ग–(ii), घ–(i)
(3) क–(ii), ख–(iv), ग–(i), घ–(iii)
(4) क–(i), ख–(ii), ग–(iii), घ–(iv)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. 'शान्तसंकल्पः सुमना यथा स्याद्
वीतमन्युर्गौतमो माभि मृत्यो!'
अत्र नचिकेता यमं कतमं वरं याचते?

(1) चतुर्थम्
(2) प्रथमम्
(3) द्वितीयम्
(4) तृतीयम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. 'वेदा यो वीनां पदमन्तरिक्षेण पतताम्' अत्र 'वीनाम्' पदस्य कोऽर्थः?

(1) पक्षिणाम्
(2) उल्कापिण्डानाम्
(3) वायूनाम्
(4) रक्षसाम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. शुद्धं वाक्यं चिनुत –

(1) पितुः सह गच्छति पुत्रः।
(2) नदीम् अन्ववसिता सेना।
(3) क्रूराय अभिक्रुध्यति।
(4) गोः पयः दोग्धि।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. "द्वियमुनम्" इत्यत्र केन सूत्रेण कस्मिन्नर्थे च समस्यते?

(1) "तद्धितार्थोत्तर पदसमाहारे च" इति सूत्रेण विभक्त्यर्थे।

(2) "अन्यपदार्थे च संज्ञायाम्" इति सूत्रेण सामीप्यार्थे।

(3) "नदीभिश्च" इति सूत्रेण समाहारार्थे।

(4) "संख्या वंश्येन" इति सूत्रेण समाहारार्थे।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. प्रत्यय – पदयोः सुष्ठुमेलनं कुरुत –

(क)	ण्वुल्	(i)	कर्त्ता
(ख)	तृच्	(ii)	कारकः
(ग)	ल्युः	(iii)	मन्त्री
(घ)	णिनिः	(iv)	लवणः

(1) क–(iii), ख–(ii), ग–(i), घ–(iv)

(2) क–(ii), ख–(i), ग–(iii), घ–(iv)

(3) क–(ii), ख–(i), ग–(iv), घ–(iii)

(4) क–(iii), ख–(iv), ग–(i), घ–(ii)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. 'जल्प् + षाकन्' अत्र उचितं पदं चिनुत –

(1) जल्पाकः

(2) जाल्पाकः

(3) जल्पाकन्

(4) जलपाकः

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. उगिदन्तात् प्रतिपदिकात्स्त्रियां कः प्रत्ययः?

(1) डाप्

(2) ङीप्

(3) ङीष्

(4) टाप्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. 'यदि नाम स राजा प्रत्यभिज्ञानमन्थरो भवेत्, ततस्तस्येदमात्मनामधेयाङ्कितमङ्गुलीयकं दर्शय' इति कथनमस्ति –

(1) प्रियंवदानसूययोः

(2) शारद्वतस्य

(3) गौतम्याः

(4) शार्ङ्गरवस्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. "सूर्य के उदय होने पर कमल खिलता हैं।" इत्यस्य संस्कृतानुवादो वर्तते –

(1) सूर्यस्य उदिते कमलं प्रकाशते।

(2) सूर्येण उदिते कमलं प्रकाशते।

(3) सूर्यः उदिते कमलं प्रकाशते।

(4) सूर्ये उदिते कमलं प्रकाशते।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. सुसङ्गतं विकल्पं चिनुत –

(क)	अभवन्	(i)	विधिलिङ्
(ख)	भूयास्त	(ii)	लुङ्
(ग)	भवेयम्	(iii)	आशीर्लिङ्
(घ)	अभूत्	(iv)	लङ्

(1) क–(iv), ख–(iii), ग–(ii), घ–(i)
(2) क–(iii), ख–(ii), ग–(iv), घ–(i)
(3) क–(iv), ख–(iii), ग–(i), घ–(ii)
(4) क–(iii), ख–(iv), ग–(ii), घ–(i)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. "वाग्घरिः" इत्यत्र किं सूत्रं प्रवर्तते?
(1) उदः स्थास्तम्भोः पूर्वस्य
(2) नश्छव्यप्रशान्
(3) अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः
(4) झयो होऽन्यतरस्याम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. "रामः देवदत्ताय शतं जयति" इत्यस्य शुद्धं वाक्यम् अस्ति –
(1) रामो देवदत्तं शतं जयति।
(2) रामः देवदत्तस्य शतं जयति।
(3) रामो देवदत्तेन शतं जयति।
(4) रामः देवदत्ते शतं जयति।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. सेव् धातोर्लुङ्लकारे प्रथम–मध्यमोत्तमपुरुषेष्वेकवचने क्रमशः रूपाणि –
(1) असेविषत, असेवथा, असेविष्ठ
(2) असेवत, असेवथाः, असेवे
(3) सेवेत, सेवेथा, सेवेय
(4) असेविष्ट, असेविष्ठाः, असेविषि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. 'आवृत्तवर्णस्तबकं स्तवकन्दाङ्कुरं कवेः' इत्यत्रा–लङ्कारः –
(1) सन्देहः
(2) दीपकम्
(3) यमकम्
(4) श्लेषः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. "अधि भुवि रामः" इत्यत्र अधीत्यस्य कर्मप्रवचनीयसंज्ञा केन सूत्रेण?
(1) अधिरीश्वरे इत्यनेन
(2) उपोधिके च इत्यनेन
(3) अधिपरी अनर्थकौ इत्यनेन
(4) यस्मादधिकं यस्य चेश्वरवचनं तत्र सप्तमी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. "हनुमानब्धिमतरद् दुष्करं किं महात्मनाम्" इत्युदाहरणं कस्यालंकारस्य?
(1) वक्रोक्तेः
(2) निदर्शनायाः
(3) अर्थान्तरन्यासस्य
(4) व्यतिरेकस्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. "दा" धातोः लटि मध्यमपुरुषबहुवचने, आशीर्लिङि उत्तमपुरुषद्विवचने, लृङि प्रथमपुरुषैकवचने च यथाक्रमं रूपाणि भवन्ति –

(1) दत्थः, देयस्व, आदास्यत
(2) दत्थः, देयासवः, आदास्य
(3) दथ्स, देयस्व, अदास्यः
(4) दत्थ, देयास्व, अदास्यत्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. 'सदृशयोः वाक्यार्थयोः ऐक्यारोपः' इत्यत्रकः अलङ्कारः?

(1) स्वभावोक्तिः
(2) निदर्शना
(3) दृष्टान्तः
(4) भ्रान्तिमान्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. 'वेद मासो धृतव्रतो द्वादश प्रजावतः।' इति मन्त्रांशः कस्मिन् सूक्ते वर्तते?

(1) प्रजापतिसूक्ते
(2) अग्निसूक्ते
(3) वरुणसूक्ते
(4) इन्द्रसूक्ते
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. "करपात्री महाराज को हिमालय पसन्द था।" इत्यस्य संस्कृतेऽनुवादः वर्तते –

(1) करपात्रमहाराजाय हिमालयं रोचते स्म।
(2) करपात्रमहाराजं हिमालयम् अरोचत।
(3) करपात्रमहाराजः हिमालयः रोचते स्म।
(4) करपात्रमहाराजाय हिमालयोऽरोचत।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. 'ध्रुवमपायेऽपादानम्' अत्र अपायशब्दस्य कोऽर्थः?

(1) अपादानम्
(2) आश्लेषः
(3) अवधिः
(4) विश्लेषः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. 'प्रत्यक्षरश्लेषमय–प्रबन्ध–विन्यासवैदग्धनिधिर्निबन्धम्।' इत्यनुसारं कः कविः प्रसिद्धः?

(1) बाणभट्टः
(2) सुबन्धुः
(3) दण्डी
(4) माघः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. ताल्वादिषु सभागेषु स्थानेषूर्ध्वभागे उच्चार्यमाणस्योदात्त संज्ञा कस्य भवति?

(1) हलः
(2) चरः
(3) अचः
(4) जशः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. 'लृ – ल्' इत्यनयोः उच्चारणस्थानं वर्तते –

(1) कण्ठः
(2) ओष्ठौ
(3) तालु
(4) दन्ताः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. यत्र प्रतिसर्गम् अन्तिमे पद्ये श्रीशब्दः प्रयुक्तः, तदस्ति –

(1) शिशुपालवधम्
(2) किरातार्जुनीयम्
(3) नैषधीयचरितम्
(4) रघुवंशम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. यत्र निह्नुतिं विना एव हेत्वादिः उन्नीयते तत्र को नामालङ्कारः –

(1) भ्रान्तिमान्
(2) सन्देहः
(3) अर्थान्तरन्यासः
(4) उत्प्रेक्षा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. "अकः सवर्णे दीर्घः" इत्यत्र 'सवर्णे' इति पदं कस्य विशेषणम्?

(1) हलीत्यस्य
(2) अणीत्यस्य
(3) अशीत्यस्य
(4) अचीत्यस्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. शब्दानां विभक्तिभिः सह सुमेलनं कुरुत –

(क)	नदीः	(i)	चतुर्थ्येकवचने
(ख)	स्त्रियै	(ii)	पंचम्येकवचने
(ग)	वध्वाः	(iii)	सप्तम्येकवचने
(घ)	धेनौ	(iv)	द्वितीया बहुवचने

(1) क–(ii), ख–(i), ग–(iv), घ–(iii)
(2) क–(iv), ख–(ii), ग–(iii), घ–(i)
(3) क–(ii), ख–(iv), ग–(iii), घ–(i)
(4) क–(iv), ख–(i), ग–(ii), घ–(iii)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. असकृदर्थे प्रयुक्तमव्ययपदमस्ति –

(1) किल
(2) इत्थम्
(3) पुनः पुनः
(4) चिरम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. 'सामवतम्' इति रूपकस्य प्रणेता अस्ति –

(1) अम्बिकादत्त व्यासः
(2) बाणभट्टः
(3) सुबन्धुः
(4) दण्डी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. "कुटिलाः श्यामला दीर्घाः कटाक्षाः कुन्तलाश्च ते।" इत्यत्र कोऽलङ्कारः?

(1) वक्रोक्तिः
(2) खण्डश्लेषः
(3) भङ्गश्लेषः
(4) अर्थश्लेषः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. "मृग मृगों के साथ चलते हैं।" एतद् वाक्यं संस्कृतेऽनूद्यताम्।

(1) मृगैः मृगाणां सङ्गमनुव्रजन्ति।
(2) मृगेषु मृगाः सङ्गमनुव्रजन्ति।
(3) मृगाः मृगैः सङ्गमनुव्रजन्ति।
(4) मृगेभ्यः मृगाः व्रजन्ति।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. सुष्ठु मेलनं विधाय सङ्गतं विकल्पं चिनुत –

(क)	वक्रोक्तिः	–	(i)	प्रस्तुताप्रस्तुतानां च तुल्यत्वे
(ख)	दृष्टान्त	–	(ii)	समानधर्मयुक्साध्यारोपात्सोपाधिकम्
(ग)	दीपक	–	(iii)	वाक्यार्थान्तरकल्पनम्
(घ)	रूपक	–	(iv)	बिम्बप्रतिबिम्बत्वं चेत्

(1) क–(iii), ख–(i), ग–(ii), घ–(iv)
(2) क–(iii), ख–(iv), ग–(i), घ–(ii)
(3) क–(iv), ख–(iii), ग–(i), घ–(ii)
(4) क–(iv), ख–(iii), ग–(ii), घ–(i)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. शैला इवोन्नताः सन्तः किंतु प्रकृतिकोमलाः। अलंकारोऽत्र कः?

(1) निदर्शना
(2) सहोक्तिः
(3) उपमा
(4) व्यतिरेकः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. 'कर्तृकरणयोस्तृतीया' इति सूत्रेण तृतीयाविभक्तिर्भवति –

(1) उक्ते कर्तरि
(2) उक्ते करणे
(3) अनुक्ते कर्तरि
(4) अनुक्ते कर्मणि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. "हरी एतौ" अत्र सूत्रं प्रवर्तते –

(1) एचोऽयवायावः
(2) निपात एकाजनाङ्
(3) ईदूदेद्द्विवचनं प्रगृह्यम्
(4) वृद्धिरेचि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. "प्रेष्ठः" "भूयिष्ठः" "स्थेयान्" इत्यत्र मूलशब्दान् निर्दिशत –

(1) "प्रिय" "बहुल" "स्थूल"
(2) "प्रिय" "बहु" "स्थिर"
(3) "प्र" "भूय" "स्थर"
(4) "प्रीति" "बृद्ध" "स्थल"
(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. 'गवां गोषु वा कृष्णा बहुक्षीरा' इत्यत्र समुदायात् पृथक्करणस्य कारणं किमस्ति?

(1) जातिः
(2) गुणः
(3) संज्ञा
(4) क्रिया
(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. समस्तपदस्य तदुदाहरणेन सह समुचितं विकल्पं चिनुत –

(क)	नखनिर्भिन्नः	(i)	द्वन्द्वः
(ख)	यथाशक्ति	(ii)	बहुव्रीहिः
(ग)	पाणिपादम्	(iii)	अव्ययीभावः
(घ)	स्त्रीप्रमाणः	(iv)	तत्पुरुषः

(1) क–(iv), ख–(iii), ग–(i), घ–(ii)
(2) क–(i), ख–(ii), ग–(iii), घ–(iv)
(3) क–(iv), ख–(ii), ग–(iii), घ–(i)
(4) क–(iii), ख–(i), ग–(ii), घ–(iv)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. एतेषु "अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः" इत्यस्य सूत्रस्योदाहरणं नास्ति –
(1) शान्तः
(2) अङ्कितः
(3) आक्रंस्यते
(4) गुम्फितः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. "वारि" शब्दस्य द्वितीयाद्विवचने रूपमस्ति –
(1) वारिणि
(2) वारिणी
(3) वारीणि
(4) वारीणी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. "नदी – धेनु – वधू" इत्येतेषां द्वितीयाबहुवचने क्रमशः रूपाणि सन्ति –
(1) नदीन्, धेनूः, वधून्
(2) नद्यः, धेनून्, वधूः
(3) नदीः, धेनूः, वधूः
(4) नदीः, धेनून्, वध्वः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. एषु हन्धातुसन्दर्भे किं संगतं नास्ति?
(1) अवधीत् अवधिष्टाम् अवधिषुः।
(2) हंष्यति हंष्यतः हंष्यन्ति।
(3) हन्ति हतः हनन्ति।
(4) अहन् अहतम् अहत।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. सुष्ठु मेलनं विधाय सम्यग्विकल्पं चिनुत –

(क)	वंशस्थ	–	(i)	षड्भिः एकादशभिर्वर्णैः यतिः
(ख)	वसन्ततिलका	–	(ii)	जलधिषडगैः यतिः
(ग)	शिखरिणी	–	(iii)	द्वादशवर्णाः
(घ)	मन्द्राक्रान्ता	–	(iv)	चतुर्दशवर्णाः

(1) क–(iii), ख–(iv), ग–(i), घ–(ii)
(2) क–(i), ख–(ii), ग–(iii), घ–(iv)
(3) क–(iii), ख–(ii), ग–(i), घ–(iv)
(4) क–(i), ख–(iii), ग–(iv), घ–(ii)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. रूपकाणां रचनाकारैः सह सुमेलितं विकल्पं चिनुत –

(क)	कर्णभारम्	–	(i)	भवभूतिः
(ख)	मालतीमाधवम्	–	(ii)	भासः
(ग)	देवीचन्द्रगुप्तम्	–	(iii)	कालिदासः
(घ)	मालविकाग्निमित्रम्	–	(iv)	विशाखदत्तः

(1) क–(ii), ख–(iii), ग–(i), घ–(iv)
(2) क–(ii), ख–(i), ग–(iv), घ–(iii)
(3) क–(i), ख–(ii), ग–(iii), घ–(iv)
(4) क–(i), ख–(iv), ग–(ii), घ–(iii)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. 'चन्दनं खलु गोविन्दचरणद्वन्द्ववन्दनम्' अत्र अलङ्कारः वर्तते –

(1) छेकानुप्रासः
(2) वृत्यनुप्रासः
(3) अर्थानुप्रासः
(4) लाटानुप्रासः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. "नारिकेलफलसम्मितं वचः" इति भारवेः प्रशंसायां कस्योक्तिवर्तते?

(1) विश्वनाथस्य
(2) क्षेमेन्द्रस्य
(3) मल्लिनाथस्य
(4) राजशेखरस्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. सूक्तानां ऋषिभिः सह सुमेलनं कृत्वा सुसङ्गतं विकल्पं चिनुत –

(क)	अग्निः सूक्तम् (1.12)	–	(i)	शुनः शेपः
(ख)	वरुणसूक्तम् (1.25)	–	(ii)	गृत्समदः
(ग)	प्रजापतिसूक्तम् (1.121)	–	(iii)	हिरण्यगर्भः
(घ)	इन्द्रसूक्तम् (2.12)	–	(iv)	मेधातिथिः काण्वः

(1) क–(iv), ख–(i), ग–(iii), घ–(ii)
(2) क–(i), ख–(iii), ग–(ii), घ–(iv)
(3) क–(iv), ख–(iii), ग–(i), घ–(ii)
(4) क–(i), ख–(ii), ग–(iii), घ–(iv)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. 'वयं स्याम पतयो रयीणाम्' इयं प्रार्थना प्राप्यते –

(1) अग्निसूक्ते
(2) वरुणसूक्ते
(3) इन्द्रसूक्ते
(4) प्रजापतिसूक्ते
(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. एतेषु अशुद्धं वाक्यं किम्?

(1) अस्माद् वृक्षात् एतत् पत्रम् अपतत्।
(2) प्रसादाद् बालः अपतन्।
(3) एषा बालिकेच्छति लतामेताम्।
(4) तस्माद् गुरोः अधीते।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. "ह्यस्तनम्", "बाहीकः" इत्युभयत्र के अव्ययपदे स्तः?

(1) "ह्यस्त" बाह्यस्
(2) "ह्यस्" "बर्हस्"
(3) "ह्यस्" "बहिस्"
(4) ह्यस् बहि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. पच् धातोः .... लकारगत रूपाणि सन्ति।

(क) पचतु
(ख) अपचत
(ग) पक्तारः
(घ) पचन्तः

(1) क ख घ
(2) क ख ग
(3) क ग घ
(4) क घ ग
(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. "ढ्रलोपे पूर्वस्य दीर्घोऽणः" इत्यत्रोक्तस्य अणः पूर्वेण परेण वा णकारेण ग्रहणं स्यात्।

(1) परेण
(2) विकल्पेन
(3) पूर्वेण
(4) पूर्वेण परेण च
(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. "वृद्धाच्छः" इति सूत्रेण "छ" प्रत्ययः कस्मिन्नर्थे भवति?

(1) जातादयर्थे
(2) मात्रार्थे
(3) वृद्धयर्थे
(4) एकार्थे
(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. मृच्छकटिके विदूषकस्य नाम किम्?

(1) माढव्यः
(2) शर्विलकः
(3) वसन्तकः
(4) मैत्रेयः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. "खरि च" इति सूत्रानुसारं स्थानिनः स्थाने कस्यादेशो भवति?

(1) खरः
(2) जशः
(3) चरः
(4) झलः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. नाट्यवेदस्य रचनाग्रै ब्रह्मा यजुर्वेदात् किं जग्राह?

(1) अभिनयान्
(2) गीतम्
(3) पाठ्यम्
(4) रसान्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. मनुस्मृतौ शिशोः निष्क्रमणसंस्कारः निर्दिष्टः –

(1) द्वितीये मासि

(2) तृतीये मासि

(3) चतुर्थे मासि

(4) प्रथमे मासि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. मनुमते ब्रह्मवर्चसकामस्य विप्रस्य उपनयनसंस्कारः कस्मिन् वर्षे करणीयः?

(1) षष्ठे वर्षे

(2) पञ्चमे वर्षे

(3) अष्टमे वर्षे

(4) सप्तमे वर्षे

(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. निम्नेषु सुमेलितं चिनुत –

(क)	उपेन्द्रवज्रा	–	(i)	अनन्तरोदीरितलक्ष्मभाजौ पादौ।
(ख)	भुजंगप्रयात	–	(ii)	यदि तौ जगौ गः।
(ग)	उपजाति	–	(iii)	जतजास्ततो गः।
(घ)	इन्द्रवज्रा	–	(iv)	चतुर्भिर्यकारैः।

(1) क–(iii), ख–(iv), ग–(i), घ–(ii)

(2) क–(iii), ख–(i), ग–(iv), घ–(ii)

(3) क–(i), ख–(ii), ग–(iv), घ–(iii)

(4) क–(iv), ख–(ii), ग–(i), घ–(iii)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. 'उपोषति' इत्यस्य सिद्धिविधायकं सूत्रम् –

(1) एङः पदान्तादति

(2) वृद्धिरेचि

(3) आद्गुणः

(4) एङः पररूपम्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. प्रत्ययस्य तत्सम्बद्धप्रत्ययान्तशब्दैः सह सुमेलितं विकल्पं चिनुत –

(क)	यत्	(i)	स्नानीयम्, एधनीयम्।
(ख)	ण्यत्	(ii)	देयम्, ग्लेयम्
(ग)	क्यप्	(iii)	शिष्यः, मृज्यः
(घ)	अनीयर्	(iv)	भोज्यम्, मार्ग्यः

(1) क–(ii), ख–(iv), ग–(iii), घ–(i)

(2) क–(i), ख–(iii), ग–(iv), घ–(ii)

(3) क–(iii), ख–(ii), ग–(iv), घ–(i)

(4) क–(ii), ख–(iii), ग–(iv), घ–(i)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. अस्मिन् छन्दसिसप्तभिः सप्तभिः पुनः सप्तभिश्च वर्णैः त्रिवारं यतिर्भवति।

(1) भुजंगप्रयातम्

(2) वियोगिनी

(3) स्रग्धरा

(4) शिखरिणी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. पञ्चतन्त्रस्य कस्मिन् तन्त्रे सर्वाधिकाः कथाः सन्ति?

(1) 'मित्रसम्प्राप्तिः' इति तन्त्रे।
(2) 'लब्धप्रणाशः' इति तन्त्रे।
(3) 'मित्रभेदः' इति तन्त्रे।
(4) 'अपरीक्षितकारकम्' इति तन्त्रे।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. 'अपवर्गे तृतीया' इति सूत्रस्योदाहरणं वर्तते –

(1) द्वादशभिर्वर्षैर्व्याकरणं श्रूयते
(2) मासमधीते
(3) आकृत्या शूरः
(4) पुण्येन दृष्टो हरिः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. "ब्रह्मोद्यम्" इत्यत्र कः प्रत्ययः?

(1) ण्यत्
(2) यत्
(3) क्यप्
(4) ष्यञ्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. प्रत्ययान्तशब्दानां सम्बद्धप्रत्ययैः सह सुमेलितो विकल्पः चिनुत –

(क)	शालीयः	(i)	घ
(ख)	राष्ट्रियः	(ii)	ख
(ग)	अवारीणः	(iii)	छ
(घ)	नादेयम्	(iv)	ढक्

(1) क–(iii), ख–(i), ग–(iv), घ–(ii)
(2) क–(iii), ख–(i), ग–(ii), घ–(iv)
(3) क–(i), ख–(ii), ग–(iv), घ–(iii)
(4) क–(i), ख–(iii), ग–(ii), घ–(iv)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. शक् धातोः विधिलिङ्लकारे मध्यमपुरुषैकवचने किं रूपम्?

(1) शक्नुयाः
(2) शक्याः
(3) शक्नुयात्
(4) अशक्नोः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. भासस्य अविमारक नाटकम् अस्ति –

(1) उदयनकथामूलकम्
(2) लोककथामूलकम्
(3) महाभारतमूलकम्
(4) रामायणमूलकम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. नीचैस् इत्यव्ययस्य विलोमार्थकमव्ययं चिनुत –

(1) उच्चैः
(2) अद्य
(3) खलु
(4) बहिस्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. सुमेलितं विकल्पं चिनुत –

(क)	बहिस्	(i)	ह्योऽस्माकं परीक्षाऽभूत्
(ख)	ह्यस्	(ii)	वरमद्य कपोतः श्वोमयूरात्
(ग)	चिरम्	(iii)	अन्तर्विषमया ह्येता बहिश्चैव मनोहराः
(घ)	श्वस्	(iv)	न च धूमायितं चिरम्

(1) क–(ii), ख–(i), ग–(iii), घ–(iv)
(2) क–(iii), ख–(iv), ग–(ii), घ–(i)
(3) क–(ii), ख–(iii), ग–(iv), घ–(i)
(4) क–(iii), (ख)–(i), ग–(iv), घ–(ii)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. एषु क्तप्रत्ययान्ताः शब्दाः न सन्ति –
(1) द्राणः, ग्लानः, लूनः
(2) शुष्कः, क्षायः, पक्वः
(3) शीर्णः, छिन्नः, भिन्नः
(4) चक्राणः, पचन्तः, विदन्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. "एष विष्णुः" इत्यस्मिन्नुदाहरणे सुलोपः केन सूत्रेण भवति?
(1) हशि च
(2) रो रि
(3) एतत्तदोः सुलोपोऽकोरनञ्समासे हलि
(4) विसर्जनीयस्य सः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. 'अधिहरि' इति समस्तपदस्य वर्तते लौकिकविग्रहः –
(1) हरि इति
(2) हरि अधि
(3) हरौ इति
(4) हरौ अधि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. सूत्र – समस्तपदयोः सुमेलनं कुरुत –

(अ)	द्वन्द्वे घि	(i)	शिवकेशवौ
(ब)	अजाद्यदन्तम्	(ii)	राजदन्ताः
(स)	अल्पाच्तरम्	(iii)	हरिहरौ
(द)	राजदन्तादिषु परम्	(iv)	ईशकृष्णौ

(1) अ–(i), ब–(ii), स–(iii), द–(iv)
(2) अ–(iii), ब–(iv), स–(i), द–(ii)
(3) अ–(iii), ब–(ii), स–(iv), द–(i)
(4) अ–(i), ब–(iii), स–(ii), द–(iv)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. 'राम के द्वारा पुस्तक पढ़ी जाती है', इति वाक्यस्य संस्कृतानुवादः वर्तते –
(1) रामेण पुस्तकं पठ्यते।
(2) रामेण पुस्तकानि पठ्यते।
(3) रामः पुस्तकं पठन्ति।
(4) रामेण पुस्तकं पठति।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. ह्रस्वः अकारः प्रयोगावस्थायां केन प्रयत्ननाम्ना समुपदिष्टः?

(1) ईषत्स्पृष्टेन
(2) ईषद्विवृतेन
(3) संवृतेन
(4) विवृतेन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. धृति–क्षमा–दमेन्द्रियनिग्रहादयो गुणाः कस्य लक्षणं भवन्ति?

(1) कामस्य
(2) अर्थस्य
(3) मोक्षस्य
(4) धर्मस्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. "खरवसानयोर्विसर्जनीयः" इति सूत्रेण विसर्जनीयो भवति –.

(1) झलि पदान्तस्य रेफस्य
(2) शरि पदान्तस्य रेफस्य
(3) खरि अपदान्तस्य रेफस्य
(4) खरि पदान्तस्य रेफस्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. "शौक्ल्यम्" "शुक्लिमा" इत्यनयोः कः विग्रहः?

(1) "शुक्लस्य भावः"
(2) "शुक्लस्य कर्म"
(3) "शुक्लः अस्यास्ति"
(4) "अयमनयोरति शयेन शुक्लः"
(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. "वस्त्रक्रीती" इत्यस्मिन् शब्दे कः प्रत्ययों वर्तते?

(1) टाप्
(2) ङीप्
(3) ङीष्
(4) ङीन्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. शिवराजविजये कति निःश्वासाः सन्ति?

(1) द्वादश
(2) चत्वारः
(3) दश
(4) अष्टौ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. अधोलिखितेषु कतमं कथनं नीतिशतकस्य नास्ति?

(1) सत्सङ्गतिः कथय किं न करोति पुंसाम्।
(2) सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति।
(3) न्याय्यात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः।
(4) क्लेशः फलेन हि पुनर्नवतां विधत्ते।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. "जलजाक्षी" इत्यस्य समास–विग्रहः कः स्यात्?

(1) जलम् इव अक्षिणी यस्याः सा।
(2) जलजस्य इव अक्षि यस्याः सा।
(3) जले इव अक्षि यस्याः सा।
(4) जलजे इव अक्षिणी यस्याः सा।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. निम्नलिखितेष्वसमीचीनं कथनं चिनुत –

(1) वर्णानामतिशयितः सन्निधिः संहितासञ्ज्ञः स्यात्।

(2) उपदेशेऽननुनासिकोऽजित्सञ्ज्ञः स्यात्।

(3) अज्भिरव्यवहिताः हलः संयोगसञ्ज्ञाः स्युः।

(4) वर्गाणां प्रथमतृतीयपञ्चमाः यणश्चाल्पप्राणाः।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. "पेष्टा" इत्यत्र सन्धिविच्छेदो भवति –

(1) पेष् + ठा

(2) पेष् + ता

(3) पेस् + डा

(4) पेस् + ता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. कृ धातोर्लङ्लकारे किं रूपं न स्यात्?

(1) अकरिष्यत

(2) अकुरुत

(3) अकुर्वि

(4) अकुर्वत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. नारायणपण्डितः कस्य राज्ञः सभाकविः आसीत्?

(1) कनिष्कस्य

(2) यशोवर्मणः

(3) धवलचन्द्रस्य

(4) हर्षवर्द्धनस्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. ब्रह्मयज्ञो भवति –

(1) अतिथिपूजनम्

(2) तर्पणम्

(3) होमः

(4) अध्यापनम्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. असमीचीनं चिनुत –

(1) इत्थंभूताख्याने – भक्तो विष्णुं प्रति परि अनु वा।

(2) लक्षणे – वृक्षं प्रति परि अनु वा विद्योतते विद्युत्।

(3) वीप्सायाम् – वृक्षं प्रति परि अनु वा सिञ्चति।

(4) भागे – लक्ष्मीः हरिं प्रति परि अनु वा।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. 'एङः पदान्तादति' सूत्रस्योदाहरणं नास्ति –

(1) विष्णोऽव

(2) प्रेजते

(3) नमोऽस्तु

(4) हरेऽव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. एषु इयसुन् – इष्ठन् – प्रत्यययुक्तौ न स्तः –

(1) प्रेयान् – प्रेष्ठः

(2) साधीयान् – साधिष्ठः

(3) गुरीयान् – गुरिष्ठः

(4) महीयान् – महिष्ठः

(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. तव कुसुमशरत्वं शीतरश्मित्वमिन्दो–र्द्वयमिदमयथार्थं दृश्यते मद्विधेषु।।
पद्येऽस्मिन् किन्नाम छन्दः?

(1) वियोगिनी
(2) पुष्पिताग्रा
(3) हरिणी
(4) मालिनी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. "गार्गी" इत्यत्र केन ङीप् स्यात्?

(1) 'यञश्च' इत्यनेन
(2) 'ऋन्नेभ्यो ङीप्' इत्यनेन
(3) "द्विगो" रित्यनेन
(4) "टिड्ढाणञ्द्वयसज्" इत्यादिना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. एषु घञ्प्रत्ययान्त – शब्दः नास्ति –

(1) पाकः
(2) विनिपातः
(3) रागः
(4) जयः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. अत्र असमीचीनं वाक्यं चिनुत –

(1) कुमारस्य स्त्री – कुमारी
(2) महद् हिमम् – हिमानी
(3) गोपस्य स्त्री – गोपी
(4) सूर्यस्य स्त्रीदेवता – सूर्यी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. शान्तमिदमाश्रमपदं स्फुरति च बाहुः कुतः फलमिहास्य।
अथवा भवितव्यानां द्वाराणि भवन्ति सर्वत्र।।
इत्यत्र छन्दः किम्?

(1) उपेन्द्रवज्रा
(2) उपजाति
(3) इन्द्रवज्रा
(4) आर्या
(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. कीदृशाः शब्दाः लिङ्गमात्राधिक्यस्य उदाहरणानि भवन्ति?

(1) अनियतलिङ्गाः
(2) पुंल्लिङ्गाः
(3) नियतलिङ्गा
(4) अलिङ्गाः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. पठनप्रक्रियायाः सोपानेषु सम्बन्धितं नास्ति।

(1) वर्णमालायाः प्रत्यभिज्ञानम्
(2) स्ववाक्यानां योजनम्
(3) अर्थग्रहणसामर्थ्यम्
(4) पाठ्यवस्तुनः क्रमबद्धता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. 'मक्षिकास्थाने मक्षिका' सदृशः भवति –

(1) आदर्शानुवादः
(2) भावानुवादः
(3) शब्दानुवादः
(4) गूढ़ानुवादः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. छात्रां स्वयमेव तत्त्वमन्विष्य अवगच्छन्ति –

(1) ह्यूरिस्टिक्विधौ
(2) आगमनविधौ
(3) व्याख्यानविधौ
(4) निगमनविधौ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. अभिव्यक्तात्मककौशलेषु परिगण्यते –

(1) लेखनम्, श्रवणम्
(2) भाषणम्, लेखनम्
(3) श्रवणम्, पठनम्
(4) पंठनम्, लेखनम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. 'ज्ञानात्मकोद्देश्यम्' इति वर्गेण सम्बन्धितांशाः सन्ति –

(1) अनुक्रिया, ज्ञानम् व्यवस्थापनम्, मूल्याङ्कनम्, विश्लेषणम्
(2) ज्ञानम्, प्रयोगः, अनुक्रिया, प्रतिक्रिया, संश्लेषणम्
(3) ज्ञानम् अवबोधः विश्लेषणम्, प्रत्ययीकरणम्, चरित्रीकरणम्
(4) संश्लेषणम्, अवबोध, विश्लेषणम्, मूल्याङ्कनम्, प्रयोगः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. कक्षायां पाठनावसरे अध्यापको बोधप्रश्नानाम् अनन्तरं छात्रेभ्यः सूचयति –

(1) सारकथनाय
(2) आदर्शवाचनाय
(3) अनुकरणवाचनाय
(4) मौनवाचनाय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. श्यामपट्टस्य उपयोगः अधिको भवति –

(1) प्रस्तुतीकरणे
(2) काठिन्यनिवारणे
(3) भावविश्लेषणे
(4) पुनरावृत्ति–प्रश्नेषु
(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. अधोऽङ्कितेषु आकाङ्क्षाविधिः उच्यते –

(1) दण्डान्वयविधिः
(2) खण्डान्वयविधिः
(3) तुलनाविधिः
(4) व्याख्याविधिः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. पुनर्बलनकौशलेन सम्बन्धितांशः नास्ति –

(1) पुनर्बलनेन छात्राः अभिप्रेरणम् अर्जयन्ति।
(2) छात्रेभ्यः तेषां प्रगतेः सूचनाप्रदानम्।
(3) पुनर्बलनं सर्वदा सकारात्मकम् एव भवति।
(4) अध्यापकेन प्रशंसात्मिका प्रतिक्रिया क्रियते।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. "पाठ्यपुस्तकादन्यस्मात् पुस्तकाद्वा कञ्चिद् भागं स्वलेखनपुस्तिकायां लिखितुं शिक्षकेन बालकाः निर्दिश्यन्ते।" इत्ययं सुलेखस्य को विधिः स्यात्?

(1) श्रुतलेखः
(2) सुलेखः
(3) प्रतिलेखः
(4) स्मृतिलेखः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. आद्ये विशेषणं योज्यं विशेष्यं तदनन्तरम्।
क्त्वाणमुल्ल्यप्रभृत्येवं पूर्वम् .... ।।
इतीदं वैशिष्ट्यं कस्य विधेः वर्तते?

(1) खण्डान्वयविधेः
(2) दण्डान्वयविधेः
(3) भाष्यविधेः
(4) तुलनाविधेः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. शिक्षकेण शिक्षणव्यवहारसम्बद्धानां कतिपयघटकानां प्रयोगः करणीयः, येन छात्राः तं प्रति आकृष्टाः भवेयुः, तेषाम् अवधानं रुचिः च पाठं प्रति भवेत् इति अवधारणा अस्ति –

(1) पुनर्बलनकौशलस्य
(2) कक्ष्या–कक्ष–प्रबन्धनकौशलस्य
(3) उद्दीपनपरिवर्तनकौशलस्य
(4) प्रश्नकरणकौशलस्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. कक्षायां पाठनावसरे उद्देश्यकथनं क्रियते –

(1) अनुकरणवाचनावसरे
(2) प्रस्तावनायाः समनन्तरम्
(3) विषयोपस्थापनात् परम्
(4) आदर्शवाचनात् समनन्तरम्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. 'नामूलं लिख्यते किञ्चिन्नानपेक्षितमुच्यते मया' इति वाक्येन मल्लिनाथः कस्य विधेः वैशिष्ट्यं सूचयति –

(1) टीकाविधेः
(2) समीक्षाविधेः
(3) भाष्यविधेः
(4) अनुवादविधेः
(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. 'उत्तमम्, शोभनम्, साधु' इति अभिव्यक्तिः अस्ति –

(1) सकारात्मकं शाब्दिकं पुनर्बलनम्।
(2) नकारात्मकम् अशाब्दिकं पुनर्बलनम्।
(3) सकारात्मकम् अशाब्दिकं पुनर्बलनम्।
(4) नकारात्मकं शाब्दिकं पुनर्बलनम्।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. भाषाप्रयोगशालायां विकासः भवति –

(1) चिन्तनावलोकनकौशलयोः
(2) श्रवणभाषणकौशलयोः
(3) पठनकौशलस्य
(4) श्रवणकौशलस्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. पद्यपाठयोजनायाः उद्देश्यानां समीचीनं विकल्पं चिनुत –

(I) सौन्दर्यानुभूतये अभिप्रेरणम्

(II) कवेः काव्यगतसंदेशेन परिचयप्रदानम्

(III) गतियतिलयपुरस्सरं वाचनक्षमतोत्पादनम्

(IV) शुद्धवाक्यरचनायाः योग्यतोत्पादनम्

(V) भाषाविश्लेषणशक्तेः अभिवर्धनम्

(VI) कल्पनाशक्तेः तर्कशक्तेश्च विकाससम्पादनम्

(1) II, IV, V
(2) I, II, III
(3) I, III, VI
(4) I, V,VI
(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. भाषणकौशलस्य विकासार्थम् अवधेयांशाः सन्ति –

(I) धैर्येणं भाषणम्।

(II) अभ्यासे नैरन्तर्यम्।

(III) स्वाभिलषितस्य विषयस्य निरूपणम्।

(IV) लिखितानां वाक्यानां व्यवस्थितरीत्या योजनम्।

(V) शब्दसम्पत्तिः।

(VI) लिपि–सङ्केतानाम् अभिज्ञानम्।

(1) VI, V, IV, II
(2) III, IV, VI, V
(3) I, II, III, V
(4) II, III, IV, V
(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. प्रस्तावनाकौशलेन सम्बन्धितो नास्ति –

(1) पूर्वज्ञानाधारेण प्रश्नाः क्रियन्ते।
(2) जिज्ञासायाः शमनाय प्रश्नाः क्रियन्ते।
(3) शाब्दिकानि अशाब्दिकानि च शिक्षणसाधनानि उपयुज्य प्रश्नाः क्रियन्ते।
(4) निरीक्षणं मूल्याङ्कनं च इति प्रविधिद्वयम् उपयुज्यते।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. सप्तराज्येभ्यः "सप्तभगिन्यः" इति उपाधिः किमर्थं प्रदत्तः? इति उदाहरणम् अस्ति।

(1) विचारोत्तेजकप्रश्नस्य
(2) समस्यात्मक–प्रश्नस्य
(3) स्मृतिप्रश्नस्य
(4) विकासात्मकप्रश्नस्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

रफ कार्य के लिए जगह